अध्याय – तृतीय

शोध विधि तथा प्रक्रिया

अध्याय–तृतीय

शोध विधि तथा प्रक्रिया

प्रस्तुत अध्याय अनुसंधान प्रारुप से संबंधित है। इस अध्याय में अध्ययन की विधि, समाष्टि, न्यादर्श का चयन, प्रदत्त संकलन, अंकन, सारणीयन आदि का वर्णन हैं।

3.1 अध्ययन विधि :–

प्रस्तुत अध्ययन एक वर्णनात्मक सर्वेक्षण प्रकार का अनुसंधान हैं।
वर्णनात्मक विधियाँ विद्यमान स्थितियों को प्रकृति व कोटि ज्ञात कर हमे यह बता सकती है कि वर्तमान में क्या विद्यमान है।

3.2 अध्ययन की समष्टि :–

इस अध्ययन के लिए संपूर्ण समष्टि झाँसी शहर में वर्तमान में संचालित पूर्व प्राथमिक विद्यालय और प्रारंभिक बाल शिक्षा केन्द्र है।

3.3 न्यादर्श :–

प्रस्तुत अध्ययन के लिए उद्देश्यपूर्ण विधि द्वारा न्यायर्श का चयन किया गया है। न्यादर्श में 10 पूर्व प्राथमिक विद्यालयों को शामिल किया गया। इनके नाम निम्नलिखित है :–

1. किड–जी, आवास विकास, झाँसी
2. किड्स केयर एकेडमी, 1473/ 211 पुष्प वाटिका के पीछे आंतिया तालाब, झाँसी
3. एल्पाइन पब्लिक स्कूल , ग्वालियर रोड, झाँसी
4. बचपन –प्ले स्कूल , 233 झोकन बाग, झाँसी
5. मार्डन पब्लिक स्कूल, मांटेसरी सेक्शन, झाँसी
6. राधे लाल पब्लिक स्कूल, 122 सिविल लाइन, झाँसी
7. सेन्ट फ्लॉवर नर्सरी स्कूल, 371/17 साकेत कॉलोनी, झाँसी
8. ब्लू बेल्स पब्लिक स्कूल, 93/3 सिविल लाइन, झाँसी
0. किड्स किंगडम, आवास विकास कानपुर रोड, झाँसी
10. रानी लक्ष्मीबाई पब्लिक स्कूल , केन्ट एरिया सदर, झाँसी

3.4 उपकरण तथा प्रविधि :–

प्रस्तुत अध्ययन के लिए संबंधित सूचना तथा आकड़ो को एकत्र करने के लिए शोधकर्त्ता द्वारा स्वयं क्षेत्रीय शिक्षा संस्थान भोपाल के विशेषज्ञो की मदद से निम्नलिखित उपकरण का निर्माण किया गया :–

1 अवलोकन अनुसूची
2 प्रश्नावली (प्रशासक के लिए)
3 प्रश्नावली (शिक्षक के लिए)

1. **अवलोकन अनुसूची :-**

प्रस्तुत अध्ययन के लिए तैयार की गई अवलोकन अनुसूची द्वारा बच्चों के कक्षागत व्यवहार तथा शिक्षकों द्वारा कराई जाने वाली क्रियाओं को अवलोकित किया गया। इस अवलोकन में पाठ्यक्रम के विभिन्न क्षेत्रों को शामिल किया गया।

कक्षा में बच्चों के भाषा विकास हेतु कराई जाने वाली क्रियाओं, बच्चों के बौद्धिक विकास के लिए विद्यालय में कराई जाने वाली क्रियाओं, ज्ञानेन्द्रिय संवेदना विकसित करने के लिए विद्यालय में कराई जाने वाली क्रियाओं, बच्चों में सोचने की क्षमता के विकास के लिए विद्यालय में होने वाली गतिविधियों, बच्चों के सृजनात्मक तथा कलात्मक विकास हेतु विद्यालय में होने वाली क्रियाओं, बच्चों के शारीरिक विकास हेतु क्रियाओं, स्वास्थ्य तथा पोषण, सामाजिक तथा भावनात्मक विकास के लिए विद्यालय में कराई जाने वाली क्रियाओं को अवलोकन अनुसूची में शामिल किया गया। (परिशिष्ट –I)

2. **प्रश्नावली (प्रशासको के लिए) :-**

प्रशासकों के लिए बनाई गई प्रश्नावली में 15 एकांश है। प्रस्तुत अध्ययन हेतु बनाई गई प्रश्नावली मिश्रित प्रकार की है। इसमें 14 एकांश खुले प्रकार के है, जिनका उत्तर प्रतिक्रिया देने वाले व्यक्ति को अपने शब्दो में देना है। तथा 1 एकांश में उपस्थित घटको पर सही का निशान लगाना है। यह सभी 15 एकांश विद्यालय में बच्चों को प्रदान की जाने वाली विभिन्न सुविधाओं से संबंधित हैं । इसमें बच्चों को घर से विद्यालय आने के लिए वाहन सुविधा, सुरक्षा-साधन, बच्चों के खेलने के लिए स्थान का आकार, पीने का पानी, प्रसाधन सुविधा, सोने की व्यवस्था, स्टोर रूम, किचिन, फर्स्ट-एड बॉक्स, मेडिकल चेकअप आदि भौतिक सुविधाएँ तथा बच्चों के बौद्धिक विकास, शारीरिकि विकास के लिए प्रयुक्त उपकरण तथा सामग्री, विद्यालय कार्यक्रम, बच्चों की प्रवेश आयु, विद्यालय समयाविधि तथा बच्चों के कार्यो के रिकार्ड आदि को शामिल किया गया है। (परिशिष्ट II)

3 **प्रश्नावली (शिक्षकों के लिए) :-**

प्रस्तुत अध्ययन हेतु शिक्षकों के लिए बनाई गई प्रश्नावली मिश्रित प्रकार की हैं। इस प्रश्नावली में 15 एकांश है। जिनमें से 3 एकांश में दिए गये घटकों व क्रियाओं का शिक्षक द्वारा उपयोग किये जाने पर उसके आगे सही का निशान लगाना है। शेष 12 एकांश खुले प्रकार के प्रश्न हैं जिनका उत्तर शिक्षको को अपने शब्दों में देना है। इन प्रश्नों का संबंध शिक्षक के प्रारंभिक बाल शिक्षा कार्यक्रम के प्रति जागरूकता, जानकारी तथा अभिवृत्ति से है जिससे शिक्षक के दृष्टिकोण को जाना जा सकें। इसके अतिरिक्त प्रश्नावली में बाल विकास का मनोविज्ञान, विद्यालय की सुविधाओं, शिक्षक द्वारा उपयोग की जाने वाली शिक्षण विधियों, कक्षा में शिक्षक द्वारा कराई जाने वाली विभिन्न क्रियाओं, बच्चों के मूल्याकंन की विधियों, मूल्याकंन प्रक्रिया, भाषा माध्यम को शामिल किया गया है। प्रश्नावली के अंतिम एकांश में शिक्षकों से प्रांभरिक शिक्षा कार्यकम को बेहतर बनाने के किए सुझाव प्रस्तावित करने का अनुरोध किया गया। (परिशिष्ट – III)

3.5 उपकरणों का प्रशासन :-

उपकरणों के प्रशासन हेतु शोधकर्ता द्वारा विभिन्न पूर्व प्राथमिक विद्यालय जाकर विद्यालय प्रमुख से अवलोकन अनुसूची तथा प्रश्नावलियों के प्रशासन की अनुमति प्राप्त की गई। प्रश्नावली से संबंधित निर्देश शोधकर्ता द्वारा शिक्षक तथा प्रशासक (विद्यालय प्रमुख) को स्पष्ट किये गए। तथा किसी प्रकार के संदेह होने पर उसे स्पष्ट किया गया। शिक्षकों से स्पष्ट तथा निःसंकोच प्रतिक्रिया व्यक्त करने का आग्रह किया गया।

अवलोकन अनुसूची की पूर्ति विद्यालय के अवलोकन द्वारा की गई। समय अभाव के कारण इसकी पूर्ति के लिए शिक्षको की सहायता भी ली गई। शिक्षकों व विद्यालय प्रमुख से भरी हुई प्रश्नावली तथा अवलोकन अनुसूची द्वारा जानकारी शोधकर्ता द्वारा एकत्रित की गई। तत्पश्चात् विद्यालय प्रमुख तथा शिक्षकों को सहयोग प्रदान करने के लिए धन्यवाद दिया।

3.6 प्रदत्त संकलन :-

शोधकर्ता ने स्वयं तथा अपने परिचितों के माध्यम से विभिन्न पूर्व प्राथमिक विद्यालय का पता ज्ञात किया। उसने स्वयं विभिन्न 13 विद्यालयों का भ्रमण किया। शोधकर्ता ने विद्यालय प्रमुख से मिलकर क्षेत्रीय शिक्षा संस्थान द्वारा प्रदान अनुमति पत्र के माध्यम से अनुमति प्राप्त कर उपकरणों का प्रशासन कर अध्ययन से संबंधित जानकारी प्राप्त की।

3.7 प्रदत्तो का अंकन तथा सारणीयन :-

विद्यालय प्रमुख तथा शिक्षकों द्वारा की गई प्रतिक्रियाओं का अंकन तथा सारणीयन किया गया। इसके लिए पृथक-पृथक आये उत्तरो को आवृत्ति संख्या द्वारा प्रदर्शित किया गया तथा उनका प्रतिशत प्रदर्शित किया गया।

अवलोकन अनुसूची तथा प्रश्नावली की समान प्रतिक्रियाओं तथा भिन्न प्रतिक्रियाओं को प्रदर्शित करने के लिए प्रदत्तों को तालिकाबद्ध किया गया। इसके पश्चात् तालिका में प्रदर्शित प्रदत्तो का कथन रूप में वर्णन किया गया।

अवलोकन अनुसूची तथा प्रशासक के लिए तैयार की गई प्रश्नावली के प्रदत्तों को तालिका द्वारा प्रदर्शित कर वर्णित किया गया है तथा शिक्षक के लिए तैयार की गई प्रश्नावली की प्रतिक्रिया का तालिका द्वारा तथा वर्णनात्मक विश्लेषण किया गया तथा इन्हें कथन रूप मे लिखा गया।

शोधकर्ता द्वारा अवलोकन अनुसूची के लिए 15 तालिकाएँ प्रशासक के प्रश्नावली हेतु 24 तालिकाएँ तथा शिक्षकों की प्रश्नावली हेतु 5 तालिकाएँ तथा वर्णनात्मक विश्लेषण किया गया है।

3.8 प्रदत्तो का विश्लेषण तथा व्याख्या :-

संकलित प्रदत्तों का विश्लेषण तथा व्याख्या चतुर्थ अध्याय में प्रस्तुत किया गया है।